



Mr. Gochar 18/1

18 Jan 2026

11:31 AM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961702

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 18/01/2026  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 11:31:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 11:35:39 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Katni  
राज्य \_\_\_\_\_: Madhya Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 23:47:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 80:29:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:08:04 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 11:22:56 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:10:20 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 19:13:35 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:52:44 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:44:26 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:51:42 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 03:55:19 मकर  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 00:11:35 मेष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: उत्तराषाढा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: सूर्य  
योग \_\_\_\_\_: हर्षण  
करण \_\_\_\_\_: चतुष्पाद  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: नकुल  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: भे-भैरव  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मकर

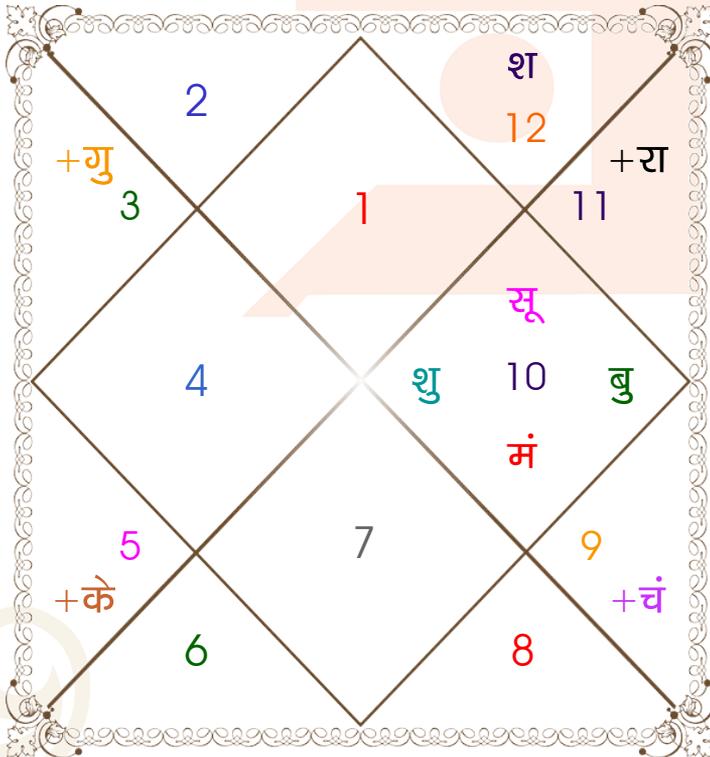
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:11:35	464:40:20	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			मक	03:55:19	01:01:06	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	27:19:42	12:23:46	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल	अ		मक	01:46:50	00:46:37	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध	अ		मक	01:43:14	01:38:54	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:49:44	00:07:54	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र	अ		मक	06:41:01	01:15:26	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	03:10:04	00:04:58	पूर्वाभाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:20:58	00:07:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:20:58	00:07:09	पूर्वाफाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:21:37	00:00:52	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:34:41	00:01:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:02:04	00:01:55	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	22:44:56	--	पूर्वाषाढा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

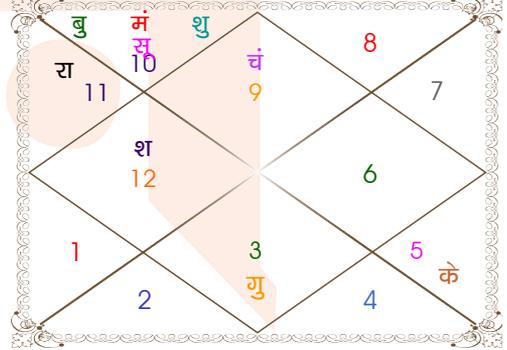
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

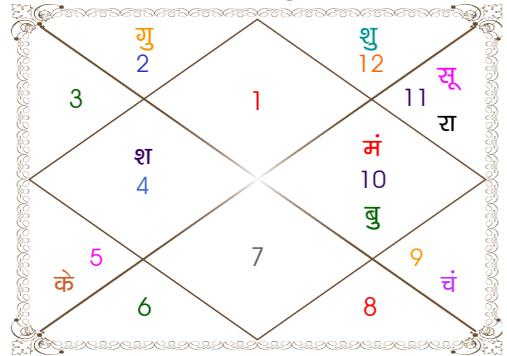
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 8 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
18/01/2026	02/10/2031	01/10/2041	01/10/2048	01/10/2066
02/10/2031	01/10/2041	01/10/2048	01/10/2066	01/10/2082
सूर्य 19/01/2026	चंद्र 01/08/2032	मंगल 27/02/2042	राहु 14/06/2051	गुरु 19/11/2068
चंद्र 20/07/2026	मंगल 02/03/2033	राहु 18/03/2043	गुरु 07/11/2053	शनि 02/06/2071
मंगल 25/11/2026	राहु 01/09/2034	गुरु 22/02/2044	शनि 13/09/2056	बुध 07/09/2073
राहु 20/10/2027	गुरु 01/01/2036	शनि 02/04/2045	बुध 02/04/2059	केतु 14/08/2074
गुरु 07/08/2028	शनि 01/08/2037	बुध 30/03/2046	केतु 20/04/2060	शुक्र 14/04/2077
शनि 20/07/2029	बुध 01/01/2039	केतु 26/08/2046	शुक्र 20/04/2063	सूर्य 31/01/2078
बुध 27/05/2030	केतु 02/08/2039	शुक्र 26/10/2047	सूर्य 14/03/2064	चंद्र 02/06/2079
केतु 01/10/2030	शुक्र 02/04/2041	सूर्य 02/03/2048	चंद्र 13/09/2065	मंगल 08/05/2080
शुक्र 02/10/2031	सूर्य 01/10/2041	चंद्र 01/10/2048	मंगल 01/10/2066	राहु 01/10/2082

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
01/10/2082	02/10/2101	02/10/2118	02/10/2125	02/10/2145
02/10/2101	02/10/2118	02/10/2125	02/10/2145	00/00/0000
शनि 04/10/2085	बुध 29/02/2104	केतु 01/03/2119	शुक्र 01/02/2129	सूर्य 19/01/2146
बुध 13/06/2088	केतु 25/02/2105	शुक्र 30/04/2120	सूर्य 01/02/2130	00/00/0000
केतु 23/07/2089	शुक्र 27/12/2107	सूर्य 05/09/2120	चंद्र 03/10/2131	00/00/0000
शुक्र 22/09/2092	सूर्य 01/11/2108	चंद्र 06/04/2121	मंगल 02/12/2132	00/00/0000
सूर्य 04/09/2093	चंद्र 03/04/2110	मंगल 02/09/2121	राहु 03/12/2135	00/00/0000
चंद्र 05/04/2095	मंगल 31/03/2111	राहु 20/09/2122	गुरु 03/08/2138	00/00/0000
मंगल 14/05/2096	राहु 17/10/2113	गुरु 27/08/2123	शनि 02/10/2141	00/00/0000
राहु 21/03/2099	गुरु 23/01/2116	शनि 05/10/2124	बुध 02/08/2144	00/00/0000
गुरु 02/10/2101	शनि 02/10/2118	बुध 02/10/2125	केतु 02/10/2145	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 8 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगतिशील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नहीं सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकितता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नहीं करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नहीं रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्रा आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नहीं कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन हैं। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।